Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 दिसंबर, 2021

ज्ञानपीठ पुरस्कार

असमिया कवि नीलमणि फूकन जूनियर ने 56वाँ और कोंकणी उपन्यासकार दामोदर मौजो ने 57वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार जीता है। देश का सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार- 'ज्ञानपीठ' लेखकों को 'साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान' के लिये दिया जाता है। 77 वर्षीय दामोदर मौजो गोवा में रहते हैं और इससे पहले साहित्य अकादमी पुरस्कार भी जीत चुके हैं। उन्हें उनके उपन्यासों जैसे कि 'कार्मेलिन' तथा 'सुनामी साइमन' और लघु कथाएँ- 'टेरेसा मैन एंड अदर स्टोरीज़ फ्रॉम गोवा' के लिये जाना जाता है। उनकी पुस्तकों का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। वर्ष 1960 में गोवा की मुक्ति के बाद से कोंकण साहित्य का बेहतरीन विकास हुआ है। यह किसी कोंकणी लेखक को दिया गया दूसरा 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार है, इससे पूर्व कोंकणी भाषा में पहला पुरस्कार वर्ष 2006 में 'रवींद्र केलेकर' को दिया गया था। वहीं 90 वर्षीय नीलमणि फूकन को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार और 'पद्मश्री' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। गुवाहाटी में निवास करने वाले प्रसिद्ध कवि नीलमणि फूकन ने कई प्रसिद्ध पुस्तकों जैसे- 'गुलापी जमुर लग्न' और 'कोबीता' की रचना की है। फूकन ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले तीसरे असमिया लेखक हैं। इनसे पहले पुरस्कार पाने वालों में बीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य (1979) और ममोनी रईसम गोस्वामी (2000) शामिल हैं। साहित्य अकादमी पुरस्कार वर्ष 1954 में स्थापित, एक साहित्यिक सम्मान है। यह पुरस्कार साहित्य अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स) द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भाषाओं में साहित्यिक कृतियों के साथ ही इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिये भी पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

सार्क चार्टर दिवस

प्रतिवर्ष 08 दिसंबर को 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' (सार्क) के चार्टर को अपनाने के उपलक्ष्य में 'सार्क चार्टर दिवस' का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष क्षेत्रीय समूह की 37वीं वर्षगाँठ है। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की स्थापना 8 दिसंबर,1985 को ढाका में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी। चार्टर पर आठ दक्षिण एशियाई देशों- बांग्लादेश, भूटान, अफगानिस्तान, मालदीव, नेपाल, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर किये गए थे। चार्टर में उल्लेख किया गया है कि सार्क का मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया में लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने और सामाजिक प्रगति तथा आर्थिक विकास के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिये सामूहिक रूप से कार्य करना है। सार्क सदस्यों का मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया में स्थिरता, शांति और प्रगति को बढ़ावा देना है। सार्क ने वर्ष 1985 से अब तक कुल 18 शिखर सम्मेलन आयोजित किये हैं। यह वर्तमान में विकास गतिविधि के सभी क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो लोगों की आजीविका को प्रभावित करता है।

जनरल बिपिन रावत

देश के पहले 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' जनरल बिपिन रावत की हाल ही में तमिलनाडु के कुन्नूर में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। जनरल बिपिन रावत देश के पहले 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' थे, जिन्हें वर्ष 2019 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। जनरल बिपिन रावत का जन्म मार्च 1958 में हुआ था। जनरल बिपिन रावत 'राष्ट्रीय रक्षा अकादमी' और 'भारतीय सैन्य अकादमी' के पूर्व छात्र हैं, जिन्हें दिसंबर 1978 में भारतीय सेना की 'पाँचवीं बटालियन' और 'ग्यारहवीं गोरखा राइफल्स' में कमीशन किया गया था। बिपिन रावत डिफेंस सर्विसेज़ स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन से स्नातक थे। उन्होंने अमेरिका के फोर्ट लीवेनवर्थ में कमांड और जनरल स्टाफ कोर्स में भी हिस्सा लिया। जनरल रावत ने अपनी सेवा के दौरान, सैन्य संचालन निदेशालय में ब्रिगेड कमांडर, दक्षिणी कमान, जनरल स्टाफ ऑफिसर ग्रेड 2 के रूप में कार्य किया और कई अन्य महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का भी हिस्सा रहे थे और संयुक्त राष्ट्र के साथ सेवा करते हुए उन्हें दो बार 'फोर्स कमांडर कमेंडेशन' से सम्मानित किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-09-december-2021